भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 869
जिसका उत्तर मंगलवार 09 फरवरी, 2021
20 माघ, 1942 (शक) को दिया जाना है

विनिवेश से प्राप्तियाँ

869. **श्रीमती फूलो देवी नेतमः**
श्री मल्लिकार्जुन खरगेः
श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदीः
श्री सैयद नासिर हुसैनः

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्ष 2014 से कुल बजट के अनुपात के रूप में विनिवेश से प्राप्तियों में कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्ष 2020-21 हेतु बजट विनिवेश लक्ष्य को सरकार के आकलन के अनुसार हासिल किया जा सकेगा;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;

(घ) 15 जनवरी, 2021 तक प्रतिशत में वर्ष 2020-21 हेतु विनिवेश लक्ष्य के कितने अनुपात को प्राप्त कर लिया गया है; और

(ड़) वर्ष 2014 से प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए कुल प्राप्तियों के अनुपात के रूप में विनिवेश से कुल प्राप्तियां कितनी रही है?

उत्तर
वित्त मंत्रालय में राज्यमंत्री
(श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क): वर्ष 2014-15 से वर्ष 2019-20 की अवधि के दौरान बजट अनुमान (बीई) के अनुपात के रूप में विनिवेश प्राप्तियों को ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(करोड़ रु. में)

वर्ष	विनिवेश प्राप्तियां	बजट अनुमान (बीई)	संशोधित अनुमान (आरई)	बजट अनुमान के % के रूप में प्राप्तियां
2014-15	24349	43425	26353	56.07%
2015-16	23997	69500	25314	34.53%
2016-17	46247	56500	45500	81.85%
2017-18	100057	72500	100000	138.01%
2018-19	84972	80000	80000	106.22%
2019-20	50299	105000	65000	47.90%

सीपीएसईस में भारत सरकार की इक्विटी का विनिवेश व्यापक रूप से बाजार के प्रदर्शन और निवेशक अभिरूचि पर निर्भर करता है। बजट अनुमान (बीई) के अनुपात के रूप में विनिवेश प्राप्तियों में वर्ष 2019-20 में गिरावट, जो विनिवेश सौदों के लिए अनुकूल समय में मंदी दर्शाता है, आने से पहले वर्ष 2014-15 से 2018-19 के दौरान वृद्धि हुई है।

(ख) और (ग): वर्ष 2020-21 में विनिवेश प्राप्ति हेतु 2,10,000 करोड़ रुपये के बजट अनुमान (बीई) (जिसमें वित्तीय संस्थानों के विनिवेश से 90,000 करोड़ रुपये की परिकल्पना की गई थी और सीपीएसईस के विनिवेश से 1,20,000 करोड़ रुपए की प्राप्तियों का अनुमान था।) की तुलना में संशोधित अनुमान (आरई) 32,000 करोड़ रुपए है।

कोविड-19 के कारण उत्पन्न प्रतिकूल बाजार परिस्थितयों से सरकार की विनिवेश योजना नकारात्मक रूप से प्रभावित हुई है। कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के पश्चात वित्तीय बाजारों में अनिश्चित्ता के साथ-साथ विनिर्माण और सेवाओं में आई कमी से सरकार के विनिवेश प्रयासों के समक्ष महत्वपूर्ण चुनौतियों सामने आई और वित्त वर्ष 2020-21 की अधिकांश अवधि के दौरान अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री और रणनीतिक विनिवेश, दोनों प्रकार के सौदों में देरी हुई। मार्च, 2020 के बाद, स्टॉक बाजार में सुधार के बाद विनिवेश सौदे पुनः पटरी पर आ गए हैं।

(घ): दिनांक 04.02.2021 की स्थिति के अनुसार, सरकार ने विनिवेश से 19,499 करोड़ रुपए की धनराशि जुटाई, जो वर्ष 2020-21 के संशोधित अनुमान (आरई) के 61% के लगभग है।

(ङ.): वर्ष 2014-15 के बाद प्रत्येक वित्त वर्ष के लिए कुल प्राप्तियों (राजस्व और पूंजी प्राप्तियां) के अनुपात के रूप में विनिवेश प्राप्तियों को ब्यौरा निम्नानुसार हैः

करोड़ रु. में

वर्ष	**विनिवेश प्राप्तियां**	**कुल प्राप्तियां (राजस्व+पूंजी)**	**कुल प्राप्तियों के % के रूप में विनिवेश प्राप्तियां**
2014-15	24349	1585921	1.54%
2015-16	23997	1774434	1.35%
2016-17	46247	1984089	2.33%
2017-18	100057	2137882	4.68%
2018-19	84972	2316434	3.67%
2019-20	50299	2681360	1.88%

*****